[श्रीफूल चन्द वर्मा]

रेडियो तथा टेलीवीजन सार्वजनिक प्रचार के साधन हैं, उन्हें केवल सत्तारूढ़ दल के लिए प्रयुक्त करना लोकतंत्र पर कुठाराघात है ।

(viii) NEGLECT OF HINDI IN SCHOOLS.

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर): उपाध्यक्ष महोदय, सरकार द्वारा बार-बार यह कहा जाता है कि हिन्दी को किसी पर थोपा नहीं जायेगा और इस का परिणाम यह है कि राजधानी और देश के बड़े बड़े स्कूलों में हिन्दी की पढ़ाई बन्द कर दी है । राजधानी के प्रमुख स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल और दूसरे अच्छे स्कूलों में 11वीं कक्षा से हिन्दी की पढ़ाई नहीं की जाती है । फलस्वरूप हिन्दी पढ़ने के इच्छुक अनेक छात्रों को स्कूल बदलना पड़ता है ।

सब से दुखद घटना 7 जुलाई, 1981 को नैनीताल के एक यूरोपियन स्कूल के 13 वर्षीय छात्र** के साथ घटी जब कि उसे हिन्दी बोलने के कारण अपमानित करने पर आत्म हत्या करनी पड़ी। ** 7वीं कक्षा का छात्र था । आत्म हत्या के दो दिन पूर्व ** को हिन्दी फिल्म देखने और स्कूल के प्रांगण में यदा कदा हिन्दी बोलने की रिपोर्ट मिलने पर उस स्कूल के प्राचार्य ने उसे छात्रों के बीच बुरी तरह अपमानित किया और अनुशासन-हीनता का आरोप लगाते हुए उस विद्यालय से निष्कासन का आदेश दे दिया था ।

ज्ञातव्य है कि यूरोपियन स्कूलों में हिन्दी बोलने पर कोड़ों की सजा के भी समाचार मिलते रहे हैं । हिन्दी फिल्म देखने के आरोप में उसी विद्यालय के 4 छात्रों को पहले भी निष्कासित किया जा चुका है । ** उसे सहन नहीं कर सका और घर जा कर गले में रस्सी का फन्दा डाल कर आत्महत्या कर ली ।

जिस प्रदेश की राजभाषा हिन्दी हो, उसी प्रदेश में हिन्दी बोलने पर छात्र को आत्महत्या करनी पड़े, इस से ज्यादा लज्जा और शर्म की बात और कोई नहीं हो सकती। इस का प्रमुख कारण सरकार द्वारा निरन्तर राष्ट्रभाषा की उपेक्षा है । अंग्रेजी शिक्षा देने का अर्थ यह नहीं है कि देशी भाषाओं के व्यवहार को दण्डनीय और निन्दनीय समझा जाय ।

अतः सरकार से मांग है कि इस घटना की निष्पक्ष न्यायिक जांच कराई जाय और देशी भाषाओं के प्रति अपमान, उपेक्षा, दुर्भावना एवं विषमता पूर्ण व्यवहार बन्द हो जिस से पुन किसी ** को आत्महत्या न करनी पड़े ।

MR. DEPUTY-SPEAKER: The name which the hon. Member has mentioned, will not go on record.

(ix) NEED TO INQUIRE INTO THE ROTTING OF FOODGRAINS DUE TO TRANSPORTATION IN OPEN BOX WAGONS.

SHRI A. K. ROY (Dhanbad): The nation would be shocked to know that in these days of scarcity of foodgrains when to maintain regular supply to the public distribution system and to keep the price under control 2 million tonnes of wheat are to be imported from the USA, FCI in collaboration with the Railways is spoiling the wheat in thousands of tonnes by transporting that in open wagons in this rainy season. The specific examples are being given here.

On 29.6.1981 the FCI booked 1600 quintal of wheat at Barnala Station of Northern Railway, State of Punjab,

*Not recorded.